



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3— Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं. 191] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 18, 1994/चैत्र 28, 1916  
No. 191] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 18, 1994/CHAITRA 28, 1916

---

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना सं. 36/(आर ई)/92-97

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1994

का.आ. 315 (अ) :- विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की संख्या 22) की धारा-5 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निर्यात एवं आयात नीति, 1992-97 (संशोधित संस्करण : मार्च, 1994) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

अध्याय-15, भाग-2, पैराग्राफ 156, खण्ड-आ में क्रम सं. 7 की प्रविष्टि के सामने मर्कों का विवरण, अर्थात् “कच्ची रुई और रुई का धागा” को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :-

“रुई का धागा”

2. उपर्युक्त संशोधन के परिणामस्वरूप अब “कच्ची रुई” का मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है।

3. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फाइल नं. आई पी सी/4/5/403-ए (92-97)]

एस.पी. शर्मा, उप महातिदेशक, विदेश व्यापार

### MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION NO. 36/(RE)/92-97

New Delhi, the 18th April, 1994

S.O. 315(E).---In exercise of the powers conferred by section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act 1992 (No. 22 of 1992), the Central Government hereby makes the following amendment in the Export and Import Policy, 1992-97, (Revised Edition; March, 1994), namely :---

In Chapter XV, Part II, Paragraph 156, Section J, the description of the items appearing against the entry at Sl. No. 7, that is, “Raw cotton and Cotton yarn”, shall be amended to read as under :---

“Cotton yarn”

2. Consequent upon the above amendment, “Raw cotton” is now freely importable.

3. This issues in public interest.

[File No. IPC/4/5/(403-A)/92-97]

S. P. SHARMA, Dy. Director General of Foreign Trade.